रामगीता सटीक

जिसमें

ब्रह्मविद्याविषयक श्रीरामचन्द्र और ल-
क्ष्मणजी का संवाद है उसका भाषा
टीका बाबू ज़ालिमसिंह निवासी ग्राम
अकबरपुर ज़िला फ़ैज़ाबाद हेड पो-
स्टमास्टर लखनऊ ने श्रीस्वामी
परमानन्द परमहंसकी सहायता
से मध्यदेशी भाषामें किया

तिसीको

श्रीमान् परमधार्मिक शुभगुणनिधान मुन्शी
प्रयागनारायण जी सर्वलोक हितार्थ

पहिलीबार

लखनऊ

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के यन्त्रालय में मुद्रित किया
सन् १९०४ ई० ॥